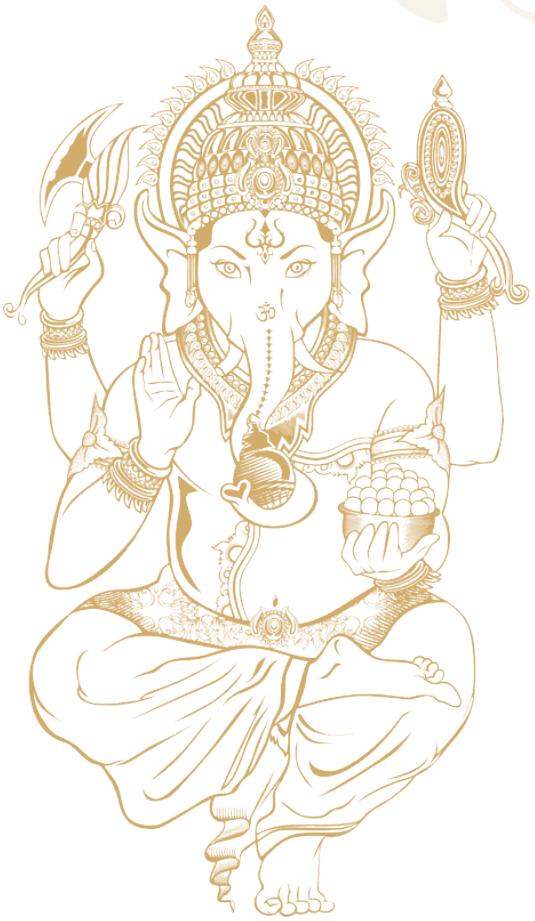

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121627707

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
14-15/10/1994 :	जन्म तिथि	: 14-15/12/1996
शुक्र-शनिवार :	दिन	: शनि-रविवार
घंटे 01:28:00 :	जन्म समय	: 05:25:00 घंटे
घटी 48:38:24 :	जन्म समय(घटी)	: 56:51:01 घटी
India :	देश	: India
Allahabad :	स्थान	: Gorakhpur
25:27:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:45:00 उत्तर
81:50:00 पूर्व :	रेखांश	: 83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:40 :	स्थानिक संस्कार	: 00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:00:38 :	सूर्योदय	: 06:37:09
17:36:39 :	सूर्यास्त	: 17:05:23
23:47:15 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:53

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 2मा 1दि	25:35:23	कर्क	लग्न	वृश्चि	12:42:30	मंगल 4वर्ष 7मा 7दि
गुरु	27:27:21	कन्या	सूर्य	वृश्चि	29:28:34	गुरु
16/12/2013	04:26:15	कुंभ	चंद्र	मक	27:53:45	24/07/2019
16/12/2029	11:49:51	कर्क	मंगल	सिंह	28:57:05	24/07/2035
गुरु 03/02/2016	10:40:09	तुला व	बुध	धनु	19:49:23	गुरु 10/09/2021
शनि 16/08/2018	24:04:36	तुला	गुरु	धनु	27:30:29	शनि 24/03/2024
बुध 21/11/2020	24:10:21	तुला व	शुक्र	वृश्चि	03:23:55	बुध 29/06/2026
केतु 28/10/2021	12:26:38	कुंभ व	शनि	मीन	06:54:50	केतु 05/06/2027
शुक्र 28/06/2024	21:14:18	तुला व	राहु व	कन्या	10:31:55	शुक्र 03/02/2030
सूर्य 16/04/2025	21:14:18	मेष व	केतु व	मीन	10:31:55	सूर्य 23/11/2030
चन्द्र 16/08/2026	28:40:13	धनु	हर्ष	मक	08:34:01	चन्द्र 24/03/2032
मंगल 23/07/2027	26:49:39	धनु	नेप	मक	02:25:02	मंगल 27/02/2033
राहु 16/12/2029	02:47:23	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:57:39	राहु 24/07/2035

लग्न-चलित

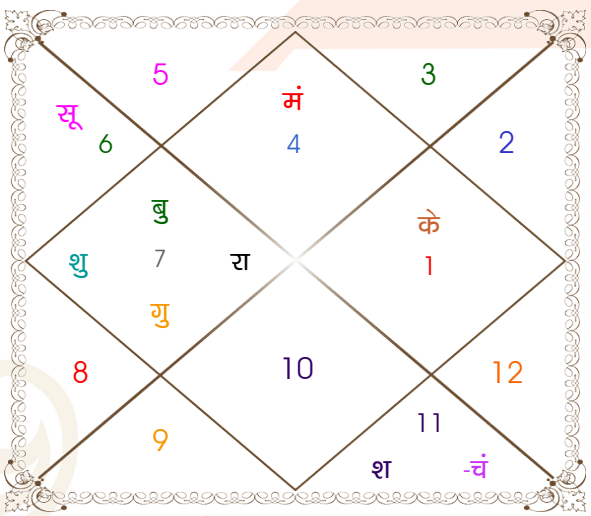

लग्न-चलित

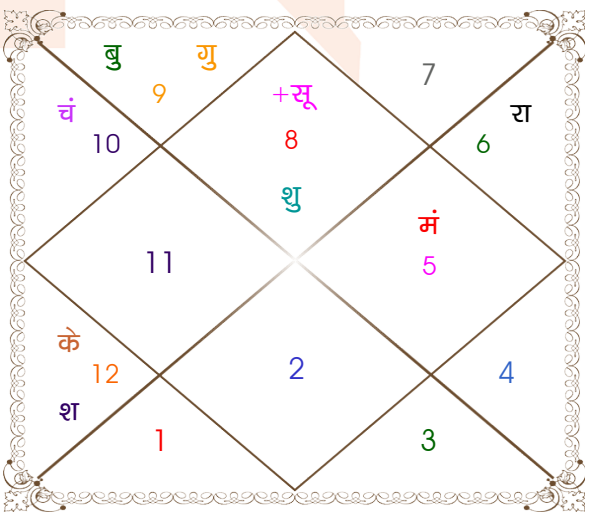

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।